कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369

मौसम आधारित कृषि परामर्श

भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान

मौसम कारक	03.02.2024	04.02.2024	05.02.2024	06.02.2024	07.02.2024
वर्षा (मि.मी.)	0.0	0.0	5.0	5.0	5.0
अधिकतम तापमान (से.)	25.0	25.0	24.0	24.0	22.0
न्यूनतम तापमान (से.)	12.0	12.0	10.0	10.0	9.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	90	90	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	30	30	40
हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	4	4	3	3	4
पवन दिशा (डिग्री)	290	290	280	280	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	2	6	6	6

मौसम सारांश / चेतावनी :

- आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंधिक बादल छाये रहेंगे।
- आगामी तीन दिनों के दौरान हल्की वर्षा की संभावना नहीं है।
- न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता लगभग 30–35 प्रतिशत और अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता लगभग 90–95 प्रतिशत होने की संभावना है।
- न्यूनतम तापमान लगभग 9–12 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 23–25 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है।
- 3–4 कि.मी./घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है।
- इस दौरान पछुवा हवा चलने की संभावना है।

सामान्य सलाह :

गोभी वर्गीय फसल में हीरा पीठ इल्ली, मटर में फली छेदक तथा टमाटर में फल छेदक की निगरानी हेतु फीरोमोन प्रपंश @ 3–4 प्रपंश प्रति एकड खेतों में लगाएं।

लघु संदेश सलाह :

कद्दू वर्गीय सब्जियों के अगेत फसल की पौध तैयार करने के लिए बीजों को छोटी पालीथीन के थैलों में भर कर पाली घरों में रखें।

फसल विशिष्ट सलाह :

गेहूँ	गेहूँ की फसल में यदि दीमक के लक्षण दिखाई दे तो 20 किग्रा. रेत में 2 लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी मिलाकर शाम के समय प्रयोग करना चाहिए और बाद में सिंचाई करने की सलाह दी जाती है।

सरसों	मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दिया जाता है कि सरसों की फसल में चेंपा कीट के निरंतर निगरानी करते रहें। प्रारम्भिक अवस्था में प्रभावित भाग को काट कर नष्ट कर दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह :

आलू	मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दिया जाता है कि वे आलू तथा टमाटर में पछेता झूलसा रोग की निरंतर निगरानी करते रहें तथा प्रारम्भिक लक्षण दिखाई देने पर इंडोफिल–एम–45@ 2 मिली./लीटर पानी या मैन्कोजेब 2.0 ग्राम / लीटर पानी में मिलाकर छिड.काव आसमान साफ होने पर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह :

गाय	रात के समय जानवरों को गर्म स्थानों पर बांधें और जानवरों को ठंडे तनाव से बचाने के लिए पशु घर को गर्म रखें।
बकरी	स्थानीय पशु चिकित्सक के परामर्श से बकरियों को कृमिनाशक दवा उपलब्ध करानी चाहिए। अन्तर्परजीवी संक्रमण को रोकने के लिए जानवरों को सुबह ओस सूखने के बाद चरने देना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह :

मुर्गी	➢ मुर्गी घर को इस तरह से डिजाइन किया जाना चाहिए कि सर्दियों के दौरान पक्षियों को किसी विशेष समस्या का सामना नहीं करना पड़े। ➢ मुर्गी घर की दिशा पूर्व–पश्चिम में रखनी चाहिए। ताकि दिन में ज्यादा से ज्यादा धूप मुर्गी घर में प्रवेश करे। ➢ चूजों के आहार में अचानक बदलाव न करें।